2019

Part–III

HINDI

(SCIENCE)

PAPER—COMPULSORY

Full Marks : 50

Time : 2 Hours

The figures in the right-hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×8

(क) 'कस्तुरी कुंडली बसै, मृग ढूँढे वन माहि
ऐसे घटि-घटि राम हैं, दुनिया देखै नाहि'

अथवा

'आम की यह डाल जो सूखी दिखी,
कह रही है - अब यहाँ पिक या शिखी
नहीं आते ; पंक्ति मैं वह हूँ लिखी
नहीं जिसका अर्थ -
जीवन दह गया है।'

(ख) 'मैं कहती हूँ, तुम क्यों नहीं खेती छोड़ देते? मर-मर काम करो, उपज हो तो बाकी दे दो चलो छुट्टी हुई। बाकी चुकाने के लिए ही तो हमारा जन्म हुआ है।'

अथवा

यह क्या? इसमें सड़क, आदमी, ट्राम, बस, मोटर, मकान सब एक-दूसरे पर चढ़ रहे हैं, मानो सबकी खिचड़ी पकाकर रख दी हो, क्या घनचक्कर बनाया है?

2. किसी *एक* प्रश्न का उत्तर दीजिए : 1×15

(क) 'मनुष्यता' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

(ख) विवेकानंद 'युवाओं से' के माध्यम से क्या कहना चाहते हैं? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3. किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×5

(क) 'रहिमन पानी राखिए' दोहे का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'बसंती हवा' कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं?

(ग) रसखान की कृष्ण-भक्ति पर चर्चा कीजिए।

(घ) 'मित्रता' निबंध का मुख्य प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता' पर संक्षिप्त चर्चा कीजिए।

(च) 'अध गगरी जल छलकत जाय' का भाव विस्तार कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×1

(क) ऐतीहासीक (वर्तनी शुद्ध कीजिए)।

(ख) वे लोग आ रहा है (वाक्य संशोधन कीजिए)।

(ग) जहाँ चाह वहाँ राह (मुहावरे का अर्थ लिखिए)।

(घ) 'भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता' किसकी रचना है?

———